C.B.S.E

कक्षा : 10

विषय : हिंदी B

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
7. पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

खण्ड - क

[अपठित अंश]

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [10]

1950 में पुणे के संघ परिषद् शिक्षा वर्ग में एक दिन विशेष भोजन में जलेबी बनी थी। परम पूजनीय श्री गुरू जी उस दिन स्वयंसेवकों के मार्गदर्शन हेतु वर्ग में उपस्थित थे। भोजन के समय अधिकारियों की पंक्ति में आठ-नौ, स्वंयसेवकों को भोजन परोसने का दायित्व दिया गया। भोजन-मंत्र से पूर्व उन स्वंयसेवकों ने वितरण शुरू करा दिया, लेकिन उनमें से एक स्वंयसेवक, जिसके पास जलेबी की थाली थी, वितरण न करके चुपचाप बैठा रहा। परमपूज्य गुरू जी का ध्यान उसकी ओर गया। भोजन प्रारम्भ होने से पूर्व गुरू जी उसके पास गए और कहा-तुम कैसे बैठे हो? पंक्ति में वितरण करो।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उस स्वंयसेवक ने संकोचपूर्वक गुरू जी से कहा- मैं चमार जाति का हूँ, पंक्ति में ऊँची जातियों के स्वयंसेवक भी बैठे हैं, उन्हें मैं कैसे परोस सकता हूँ? गुरू जी को उस स्वयंसेवक की बात बहुत बुरी लगी। उन्होंने उसका हाथ पकड़कर जलेबी की थाली थमाई, और सर्वप्रथम अपनी थाली में परोसने को कहा, फिर सब स्वयंसेवकों को देने के लिए कहा। गुरू जी के आत्मीय व्यवहार से उसकी प्रसन्नता का पारावार नहीं रहा। उसने पंक्ति में सभी को जलेबी परोसी।

1. भोजन में जलेबियाँ कब और कहाँ बनी थीं और जलेबी बाँटनेवाला शांत क्यों बैठा था? [2]
2. गुरू जी का ध्यान किसकी ओर गया? [2]
3. गुरू जी ने स्वयंसेवक से क्या कहा? [2]
4. गुरू जी को कौन-सी बात बुरी लगी तथा उसकी बात सुनकर उन्होंने क्या किया? [2]
5. स्वयंसेवक की प्रसन्नता का पारावार कब नहीं रहा? [1]
6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दें। [1]

खण्ड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. शब्द किसे कहते है? [1]

प्र. 3. निम्नलिखित प्रश्नों उत्तर निर्देशानुसार दीजिए। [3]

(क) शेर दिखाई दिया सब लोग डर गए (सरल वाक्य में रूपांतरित कीजिए।)

(ख) जैसे ही मैंने खाना खाया वैसे ही मैं सो गया। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ग) हरसिंगार के फूलों को देखते ही मुझे माँ की याद आ जाती है। (मिश्र वाक्य में रूपांतरित कीजिए)

प्र. 4. (क) निम्नलिखित समस्त पदों के समास का नाम लिखिए। [2]

- भला-बुरा, गिरिधर

(ख) निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए।[2]

- शोक से आकुल
- नमक और मिर्च

प्र.5. निम्नलिखित वाक्यों के शुद्ध रूप में लिखिए: [4]

(क) जय कड़वा दवाई पी गया।

(ख) चाचा जी के निधन का समाचार पाते ही उसके हाथों से तोते गिर गए।

(ग) सारी रात भर मैं पढ़ता रहा।

(घ) सरकार ने टैक्स वसूल की।

प्र. 6. उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति करें [4]

- _________ बनाते रहोगे या अब अभ्यास भी करोगे।
- भारतीय सेना ने दुश्मनों के _________ दिए।
- वर्माजी ने अपनी एकलौती बिटिया की शादी में _________ खोल दिया।
- गणित के इन सवालों ने तो मेरे _________ दिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खण्ड - ग

[पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक]

प्र.7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [2+2+2=6]

(क) लोग अपने-अपने मकानों व सार्वजनिक स्थलों पर राष्ट्रीय झंडा फहराकर किस बात का संकेत देना चाहते थे?

(ख) लेखक ने ग्वालियर से बंबई तक किन बदलावों को महसूस किया? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ग) तताँरा-वामीरो कहाँ की कथा है?

(घ) हेडमास्टर साहब की डिग्री कब और कहाँ बेकार हो गई स्पष्ट कीजिए।

प्र. 8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए। [5]

1. 'कारतूस' पाठ के आधार पर लिखिए कि जांबाज़ के जीवन का लक्ष्य अंग्रेजों को इस देश से बाहर करना था।
2. 'शाश्वत मूल्य' से आप क्या समझते हैं? 'गिन्नी का सोना' पाठ के आधार पर बताइए कि वर्तमान समय में इन मूल्यों की क्या प्रासंगिकता है?

प्र.9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए। [2+2+2=6]

(क) मनुष्य मात्र बंधु है से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

(ख) सर हिमालय का हमने न झुकने दिया, इस पंक्ति में हिमालय किस बात का प्रतीक है?

(ग) सच्चे मन में राम बसते हैं-दोहे के संदर्भानुसार स्पष्ट कीजिए।

(घ) शाल-वृक्षों के डरने का कारण स्पष्ट कीजिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र.10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए। [5]

1. 'मनुष्यता' कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है?
2. दीपक दिखाई देने पर अँधियारा कैसे मिट जाता है? साखी के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

प्र.11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [6]

1. टोपी की भावात्मक परेशानियों को मद्देनजर रखते हुए शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक बदलाव सुझाइए?
2. 'संपत्ति के लिए अपने भी पराये बन जाते हैं' 'हरिहर काका' कहानी के आधार पर सिद्ध कीजिए।

खण्ड - घ

[लेखन]

प्र. 12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : [6]

- दया धर्म का मूल है
- सत्संगति
- आज की बचत कल का सुख

प्र.13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लेखन करें। [5]

1. नवरात्री महोत्सव के समय देर रात तक ऊँची आवाज में रेकार्ड बजाने के कारण अध्ययन में बाधा पड़ने की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए, होम-इंस्पेक्टर को पत्र लिखिए।
2. आपके जन्म दिवस पर आपके चाचाजी द्वारा उपहार में भेजी गई पढ़ाई से संबंधित संदर्भ पुस्तकें प्राप्त करने पर उन्हें धन्यवाद देते हुए पत्र लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 40 से 50 शब्दों में सूचना लेखन करें। [5]

1. आपके विद्यालय में एक सप्ताह के लिए 'निःशुल्क रक्त-जाँच व रक्त-दान शिविर' लगाया जा रहा है। स्थानीय जनता की सूचना के लिए 30 शब्दों में एक सूचना-पत्रक लिखिए।
2. खोए हुए सामान की जानकारी के लिए रिक्शा वालों के लिए सूचना तैयार करें।

प्र. 15. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 50-60 शब्दों में संवाद लिखें। [5]

1. बढ़ते हुए महिला अपराध के संदर्भ में दो महिलाओं के मध्य बातचीत लिखिए।
2. विद्यार्थी और बस कंडक्टर के बीच हो रहे संवाद लिखिए।

प्र.16. निम्नलिखित विज्ञापनों में से किसी एक विज्ञापन का आलेख 50 शब्दों में तैयार कीजिए। [5]

1. ठंडी के मौसम में खाये जानेवाले च्वनप्राश का विज्ञापन तैयार कीजिए।
2. गहने के विज्ञापन का आलेख तैयार कीजिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

C.B.S.E

कक्षा : 10

विषय : हिंदी B

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
7. पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

खण्ड - क

[अपठित अंश]

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [10]

1950 में पुणे के संघ परिषद् शिक्षा वर्ग में एक दिन विशेष भोजन में जलेबी बनी थी। परम पूजनीय श्री गुरू जी उस दिन स्वयंसेवकों के मार्गदर्शन हेतु वर्ग में उपस्थित थे। भोजन के समय अधिकारियों की पंक्ति में आठ-नौ, स्वंयसेवकों को भोजन परोसने का दायित्व दिया गया। भोजन-मंत्र से पूर्व उन स्वंयसेवकों ने वितरण शुरू करा दिया, लेकिन उनमें से एक स्वंयसेवक, जिसके पास जलेबी की थाली थी, वितरण न करके चुपचाप बैठा रहा। परमपूज्य गुरू जी का ध्यान उसकी ओर गया। भोजन प्रारम्भ होने से पूर्व गुरू जी उसके पास गए और कहा-तुम कैसे बैठे हो? पंक्ति में वितरण करो।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उस स्वंयसेवक ने संकोचपूर्वक गुरू जी से कहा- मैं चमार जाति का हूँ, पंक्ति में ऊँची जातियों के स्वयंसेवक भी बैठे हैं, उन्हें मैं कैसे परोस सकता हूँ? गुरू जी को उस स्वयंसेवक की बात बहुत बुरी लगी। उन्होंने उसका हाथ पकड़कर जलेबी की थाली थमाई, और सर्वप्रथम अपनी थाली में परोसने को कहा, फिर सब स्वयंसेवकों को देने के लिए कहा। गुरू जी के आत्मीय व्यवहार से उसकी प्रसन्नता का पारावार नहीं रहा। उसने पंक्ति में सभी को जलेबी परोसी।

1. भोजन में जलेबियाँ कब और कहाँ बनी थीं और जलेबी बाँटनेवाला शांत क्यों बैठा था? [2]

   उत्तर : 1950 में पुणे के संघ परिषद् शिक्षा वर्ग में भोजन के लिए विशेष जलेबी बनी थी। बाँटनेवाला इसलिए शांत बैठा था क्योंकि वह चमार जाति का था तथा ऊँची जातियों को परोसने में उसे संकोच हो रहा था।

2. गुरू जी का ध्यान किसकी ओर गया? [2]

   उत्तर : गुरू जी का ध्यान एक ओर चुपचाप जलेबी की थाली लिए बैठे स्वयंसेवक की ओर गया।

3. गुरू जी ने स्वयंसेवक से क्या कहा? [2]

   उत्तर : गुरू जी ने स्वयंसेवक से पहले अपनी थाली में जलेबी परोसवाई तथा फिर सबको जलेबी परोसने के लिए कहा।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

4. गुरू जी को कौन-सी बात बुरी लगी तथा उसकी बात सुनकर उन्होंने क्या किया? [2]

उत्तर : लड़के का यह कहना कि मैं जाति से चमार हूँ, पंक्ति में ऊँची जाति के बैठे स्वयंसेवकों को कैसे परोस सकता हूँ? गुरू जी को बुरा लगा, उसकी बात सुनकर उन्होंने सबसे पहले उससे जलेबी ली फिर दूसरों को परोसने के लिए कहा।

5. स्वयंसेवक की प्रसन्नता का पारावार कब नहीं रहा? [1]

उत्तर : गुरू जी के आत्मीयतापूर्ण व्यवहार से स्वयंसेवक की प्रसन्नता का पारावार नहीं रहा।

6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दें। [1]

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक 'समानता', स्वयंसेवक की दुविधा' 'सभी मनुष्य एक समान' आदि हो सकते हैं।

खण्ड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. शब्द किसे कहते है? [1]

उत्तर : शब्द वर्णों या अक्षरों के सार्थक समूह को कहते हैं।

उदाहरण के लिए क, म तथा ल के मेल से 'कमल' बनता है जो एक खास के फूल का बोध कराता है। अतः 'कमल' एक शब्द है।

प्र. 3. निम्नलिखित प्रश्नों उत्तर निर्देशानुसार दीजिए। [3]

(क) शेर दिखाई दिया सब लोग डर गए (सरल वाक्य में रूपांतरित कीजिए।)

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उत्तर : शेर को देखकर सब लोग डर गए।

(ख) जैसे ही मैंने खाना खाया वैसे ही मैं सो गया। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर : मैंने खाना खाया और सो गया।

(ग) हरसिंगार के फूलों को देखते ही मुझे माँ की याद आ जाती है। (मिश्र वाक्य में रूपांतरित कीजिए)

उत्तर : जब मैं हरसिंगार के फूलों की ओर देखता हूँ तब मुझे माँ की याद आ जाती है।

प्र. 4. (क) निम्नलिखित समस्त पदों के समास का नाम लिखिए। [2]

- भला-बुरा, गिरिधर

उत्तर : भला-बुरा - द्वंद्व समास

गिरिधर - बहुब्रीहि समास

(ख) निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए।[2]

- शोक से आकुल
- नमक और मिर्च

विग्रह	समस्त पद	समास
शोक से आकुल	शोकाकुल	करण तत्पुरुष समास
नमक और मिर्च	नमक-मिर्च	द्वंद्व समास

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र.5. निम्नलिखित वाक्यों के शुद्ध रूप में लिखिए: [4]

(क) जय कड़वा दवाई पी गया।

उत्तर : जय कड़वी दवाई पी गया।

(ख) चाचा जी के निधन का समाचार पाते ही उसके हाथों से तोते गिर गए।

उत्तर : चाचा जी के निधन का समाचार पाते ही उसके हाथों के तोते उड़ गए।

(ग) सारी रात भर मैं पढ़ता रहा।

उत्तर : मैं सारी रात पढ़ता रहा।

(घ) सरकार ने टैक्स वसूल की।

उत्तर : सरकार ने टैक्स वसूल किया।

प्र. 6. उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति करें [4]

- <u>हवाई किले ही</u> बनाते रहोगे या अब अभ्यास भी करोगे।
- भारतीय सेना ने दुश्मनों के <u>छक्के छुड़ा</u> दिए।
- वर्माजी ने अपनी एकलौती बिटिया की शादी में <u>थैली का मुँह</u> खोल दिया।
- गणित के इन सवालों ने तो मेरे <u>दाँतों पसीने निकाल</u> दिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खण्ड - ग

[पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक]

प्र.7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [2+2+2=6]

(क) लोग अपने-अपने मकानों व सार्वजनिक स्थलों पर राष्ट्रीय झंडा फहराकर किस बात का संकेत देना चाहते थे?

उत्तर : लोग अपने-अपने मकानों व सार्वजानिक स्थलों पर राष्ट्रीय झंडा फहराकर अपनी देशभक्ति का प्रमाण, राष्ट्रीय झंडे का सम्मान तथा देश की स्वंत्रतता की ओर संकेत देना चाह रहे थे।

(ख) लेखक ने ग्वालियर से बंबई तक किन बदलावों को महसूस किया? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : लेखक ने ग्वालियर से बम्बई तक अनेक बदलावों को महसूस किया जैसे पहले बड़े-बड़े घर, आँगन और दालान होते थे। अब डिब्बे जैसे घरों में लोगों को गुजारा करना पड़ता है। चारों ओर इमारतें और इमारतें ही पाई जाती है। खुले स्थानों, पशु-पक्षियों के रहने के स्थानों का अभाव दिखाई देता है। पहले पशु-पक्षियों को घरों में स्थान मिलता था आज उनके घर आने के रास्तों को ही बंद कर दिया जाता है।

(ग) तताँरा-वामीरो कहाँ की कथा है?

उत्तर : तताँरा-वामीरो एक लोक कथा है। यह देश के उन द्वीपों की कथा है जो आज लिटिल अंदमान और कार-निकोबार नाम से जाने जाते हैं। निकोबारियों का मानना है कि प्राचीन काल में ये दोनों द्वीप एक ही थे।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(घ) हेडमास्टर साहब की डिग्री कब और कहाँ बेकार हो गई स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : हेडमास्टर साहब की डिग्री अपने घर के खर्चों के इंतजाम में बेकार हो गई। यहाँ पर कहने का तात्पर्य यह है कि एम.ए. की डिग्री प्राप्त हेडमास्टर जब अपने घर के खर्चों को पूरा नहीं कर पाते। हर समय उनके द्वार पर कोई-न कोई कर्जदार खड़ा ही रहता था। इतने अधिक शिक्षित होने के बावजूद वे अपना घर-खर्च सही तरीके से नहीं कर पाते थे इसलिए लेखक ने यहाँ पर उनकी डिग्री को बेकार कहा है।

प्र. 8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए। [5]

1. 'कारतूस' पाठ के आधार पर लिखिए कि जांबाज़ के जीवन का लक्ष्य अंग्रेजों को इस देश से बाहर करना था।

उत्तर : जाबांज़ अर्थात् वज़ीर अली के दिल में अंग्रेजों के खिलाफ़ नफरत भरी हुई थी। उसने पाँच महीने के अंतर पर ही अवध के दरबार से अंग्रेजों को बाहर कर दिया था। वजीर अली सआदत अली को अवध से हटा कर वहाँ का प्रशासक बनना चाहता था। इससे यह स्पष्ट होता है कि जाबांज़ के जीवन का लक्ष्य अंग्रेजों को इस देश से बाहर करना था।

अथवा

2. 'शाश्वत मूल्य' से आप क्या समझते हैं? 'गिन्नी का सोना' पाठ के आधार पर बताइए कि वर्तमान समय में इन मूल्यों की क्या प्रासंगिकता है?

उत्तर : सत्य, अहिंसा, परोपकार, ईमानदारी सहिष्णुता आदि मूल्य शाश्वत मूल्य हैं। वर्तमान समय में भी इनकी प्रासंगिकता बनी हुई है क्योंकि आज भी सत्य और अहिंसा के बिना राष्ट्र का कल्याण और

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उन्नति नहीं हो सकती है। शांतिपूर्ण जीवन बिताने के लिए परोपकार, त्याग, एकता, भाईचारा तथा देश-प्रेम की भावना का होना अत्यंत आवश्यक है। यदि हम आज भी परोपकार और ईमानदारी के मार्ग पर चले तो समाज को अलगाव से बचाया जा सकता है।

प्र.9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए। [2+2+2=6]

(क) मनुष्य मात्र बंधु है से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : इस कथन का अर्थ है क संसार के सभी मनुष्य आपस में भाई-भाई हैं। इसलिए सभी को प्रेम भाव से रहना चाहिए, सहायता करनी चाहिए। कोई पराया नहीं है। सभी एक दूसरे के काम आएँ। प्रत्येक मनुष्य को निर्बल मनुष्य की पीड़ा दूर करने का प्रयास करना चाहिए।

(ख) सर हिमालय का हमने न झुकने दिया, इस पंक्ति में हिमालय किस बात का प्रतीक है?

उत्तर : सर हिमालय का हमने न झुकने दिया इस पंक्ति में हिमालय भारत के मान सम्मान का प्रतीक है। भारत-चीन युद्ध हिमालय की बर्फ से ढकी चोटियों पर ही लड़ा गया था। भारतीय सैनिकों ने अपने प्राण गवाँकर देश के मान-सम्मान को सुरक्षित रखा। भारत के सैनिक हर पल देश की रक्षा हेतु बलिदान देने के लिए तत्पर रहते हैं। उनके साहस की अमर गाथा से हिमालय की पहाड़ियाँ आज भी गुंजायमान हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ग) सच्चे मन में राम बसते हैं-दोहे के संदर्भानुसार स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : बिहारी जी के अनुसार भक्ति का सच्चा रूप हृदय की सच्चाई में निहित है। बिहारी जी ईश्वर प्राप्ति के लिए धर्म कर्मकांड को दिखावा समझते थे। माला जपने, छापे लगवाना, माथे पर तिलक लगवाने से प्रभु नहीं मिलते। जो इन व्यर्थ के आडंबरों में भटकते रहते हैं वे झूठा प्रदर्शन करके दुनिया को धोखा दे सकते हैं, परन्तु भगवान राम तो सच्चे मन की भक्ति से ही प्रसन्न होते हैं।

(घ) शाल-वृक्षों के डरने का कारण स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : कवि ने अनुसार वर्षा इतनी तेज और मुसलाधार थी कि ऐसा लगता था मानो आकाश धरती पर टूट पड़ा हो। चारों ओर कोहरा छा जाता है, पर्वत, झरने आदि सब अदृश्य हो जाते हैं। ऐसा लगता है मानो तालाब में आग लग गई हो। चारों तरफ धुआँ-सा उठता प्रतीत होता है। वर्षा के ऐसे भयंकर रूप को देखकर उच्च-आकांक्षाओं से युक्त विशाल शाल के वृक्ष भयभीत होकर धरती में धँस हुए प्रतीत होते हैं।

प्र.10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए। [5]

1. 'मनुष्यता' कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है?

उत्तर : प्रकृति के अन्य प्राणियों की तुलना में मनुष्य में चेतना शक्ति की प्रबलता होती है। 'मनुष्यता' कविता के माध्यम से कवि मानवता, प्रेम, एकता, दया, करुणा, परोपकार, सहानुभूति, सद्भावना और उदारता से परिपूर्ण जीवन जीने का संदेश देना चाहता है। मनुष्य दूसरों के हित का ख्याल रख सकता है। इस कविता का प्रतिपाद्य

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

यह है कि हमें मृत्यु से नहीं डरना चाहिए और परोपकार के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने के लिए तत्पर रहना चाहिए। जब हम दूसरों के लिए जीते हैं तभी लोग हमें मरने के बाद भी याद रखते हैं। धन होने पर घमंड नहीं करना चाहिए तथा खुद आगे बढ़ने के साथ-साथ औरों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा देनी चाहिए। सभी मनुष्य ईश्वर की संतान है। अत: सभी को एक होकर चलना चाहिए और परस्पर भाईचारे का व्यवहार करना चाहिए।

अथवा

2. दीपक दिखाई देने पर अँधियारा कैसे मिट जाता है? साखी के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : कवि के अनुसार जिस प्रकार दीपक के जलने पर अंधकार अपने आप दूर हो जाता है और उजाला फैल जाता है। उसी प्रकार ज्ञान रुपी दीपक जब हृदय में जलता है तो अज्ञान रुपी अंधकार मिट जाता है। यहाँ दीपक ज्ञान के प्रकाश का प्रतीक है और अँधियारा ज्ञान का प्रतीक है। मन के विकार अर्थात् संशय, क्रोध, मोह, लोभ आदि नष्ट हो जाते हैं। तभी उसे सर्वव्यापी ईश्वर की प्राप्ति भी होती है।

प्र.11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [6]

1. टोपी की भावात्मक परेशानियों को मद्देनजर रखते हुए शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक बदलाव सुझाइए?

उत्तर : बच्चे फ़ेल होने पर भावनात्मक रूप से आहत होते हैं और मानसिक रूप से परेशान रहने लगते हैं। वे शर्म महसूस करते हैं। इसके लिए विद्यार्थी के पुस्तकीय ज्ञान को ही न परखा जाए बल्कि

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उसके अनुभव व अन्य कार्य कुशलता को भी देखकर उसे प्रोत्साहन देने के लिए शिक्षा व्यवस्था में बदलाव किया जा सकता है। ऐसे बच्चों के लिए वैकल्पिक शिक्षा की व्यवस्था की जानी चाहिए। शिक्षकों को इस तरह के बच्चों को समझने के लिए उचित मनोवैज्ञानिक प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए तथा परिवार वालों को उसकी भरपूर मदद करनी चाहिए न कि उसे कमजोर कहकर उसपर व्यंग कसने चाहिए।

2. 'संपत्ति के लिए अपने भी पराये बन जाते हैं' 'हरिहर काका' कहानी के आधार पर सिद्ध कीजिए।

उत्तर : हरिहर काका की कहानी के आधार पर यदि रिश्तों को परखा जाय तो ये बात उचित लगती है। काका की पंद्रह बीघे जमीन के लिए घरवाले और ठाकुरबाड़ी के महंत भी पीछे पड़ जाते हैं। काका की संपत्ति पाने के लिए घरवाले और ठाकुरबारी के महंत भी उनके साथ दुर्व्यवहार करते हैं। सभी की नजर उनकी जमीन पर लगी रहती है। घरवाले और महंत अपने-अपने तरीकों से काका की जमीन अपने नाम करवाने का प्रयास करते हैं। उनके इस प्रयास में वे काका को डराने,धमकाने, जोर जबदस्ती और हाथापाई पर भी उतर आते हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खण्ड - घ

[लेखन]

प्र. 12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : [6]

दया धर्म का मूल है

दया धर्म का मूल है, पाप मूल अभिमान।
तुलसी दया न छोड़िये जब तक घट में प्रान॥

हमारी संस्कृति के अनुसार मनुष्य का एक विशेष गुण जीव के प्रति दया भाव रखना है। दया धर्म का मूल है। जीवमात्र पर दया भाव रखकर उसके दु:ख को समझना चाहिए। प्राणी मात्र की सेवा ही जीवन का लक्ष्य है, समस्त जीवों की सेवा तब तक करनी चाहिए जब तक की शरीर में प्राण हैं और यही मानव धर्म है। धर्म हमें दया करना सिखाता है और अभिमान की जड़ में पाप-भाव पलता है। परोपकार की भावना ही सबसे बड़ी मनुष्यता है। मन से, तन से और कर्म से जीव मात्र के लिए अपने को आहूत करना देना ही सच्ची सेवा है। जीसस, विवेकानंद, नानक और न जाने कितने संत हमें दयाभावना से मानव-जाति के कल्याण करने का संदेश दे गए।

सत्संगति

सत्संगति अर्थात् अच्छों आचरण वाले लोगों की संगति। मनुष्य की संगति ही उसके व्यक्तित्व निर्माण को प्रभावित करती है। इसी लिए प्राचीन समय से धर्मग्रंथ तथा संत लोग मनुष्य को सत्संगति के लिए प्रेरित करते आए हैं।

कबीर तन पंछी भया, जहां मन तहां उडी जाइ।
जो जैसी संगती कर, सो तैसा ही फल पाइ।।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

यह सच है कि मनुष्य जिन लोगों के साथ उठता बैठता है उनके स्वभाव और गुणों का उन पर प्रभाव पड़ता है। संत के साथ रहकर मानव कल्याण की बात और चोर के साथ रहकर चोरी जैसे अवगुण की बात सीखने मिलती है। अच्छी संगति हमारे अंदर के संत को और बुरी संगति हमारे अंदर के दानव को जागृत करती है। सत्संगति मनुष्य एवं समाज के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। सत्संगति मनुष्य को समाज में आदर पात्र बनाती है। सत्संगति मनुष्य के व्यक्तित्व और जीवन को सुंदर तथा प्रगतिशील बना देती है। दुर्जन का साथ पग-पग पर हानि पहुँचाता है।

आज की बचत कल का सुख

मनुष्य का जीवन विभिन्न उतार-चढ़ावों से परिपूर्ण होता है। सुख और दुख जीवन के अभिन्न अंग हैं। कभी भी कोई आर्थिक समस्या का सामना करना पड़ सकता है अतः हमें हमारे भविष्य को सुरक्षित करने के लिए हमेशा बचत का मूल मन्त्र याद रखना चाहिए।

मनुष्य अनेक रूपों में जीवन में बचत कर सकता है। समय अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक बार गुजरा हुआ समय दुबारा वापस नहीं लौटता है। अतः मनुष्य के लिए समय की बचत व उसके महत्त्व को समझना अत्यंत आवश्यक है। समय और धन की बचत के अतिरक्त ऊर्जा की बचत भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। हमें जल,वन,खनिज,जीवाश्म ईंधन सभी की बचत करनी चाहिए। बचत अथवा संचय किसी भी अवस्था में हो, चाहे वह धन की बचत हो या फिर समय व ऊर्जा की, सभी अवस्थाओं में इसे प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। तभी हमारा तथा हमारी आनेवाली पीढ़ी का भविष्य सुखमय होगा।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

आज की बचत कल का सुख के द्वारा हमें यह मिलती है कि हमें हमारे आनेवाले कल एवं पीढ़ी के लिए पैसे, प्राकृतिक संपदा का आवश्कता अनुसार कम से कम उपयोग करना चाहिए।

प्र.13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लेखन करें। [5]

1. नवरात्री महोत्सव के समय देर रात तक ऊँची आवाज में रेकार्ड बजाने के कारण अध्ययन में बाधा पड़ने की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए, होम-इंस्पेक्टर को पत्र लिखिए।

राजनगर,
अमरावती- 444 601
15 सितंबर, 2008
सेवा में,
माननीय होम-इंस्पेक्टर,
शहर विभाग,
अमरावती - 444 601

विषय : सार्वजनिक नवरात्री महोत्सव में देर रात तक ऊँची आवाज में बजने वाले रेकार्डो की ओर ध्यान आकर्षित करना।

महोदय,

मैं राजनगर का निवासी हूँ। आजकल नवरात्री का महोत्सव चल रहा हैं। स्थान-स्थान पर रेकार्ड बज रहे हैं। इन रेकार्डो की ध्वनि इतनी तेज रहती है कि कानों को सहन नहीं होता। इसके अतिरिक्त आजकल हम विद्यार्थियों की परीक्षाएँ भी चल रही है। रेकार्डो की ध्वनि के कारण पढ़ाई में बाधा पड़ती है।

इसके अतिरिक्त छोटे बच्चों, बीमार एवं बूढे व्यक्तियों को भी सोने में बहुत तकलीफ होती है। इसलिए मेरी आपसे प्रार्थना है कि इन्हें रात में

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

निश्चित समय तक और मध्यम ध्वनि में रेकार्ड बजाने की ही अनुमति दी जाए।

मुझे उम्मीद है कि आप शीघ्र ही इस बारे में जरुरी कार्रवाही करेंगे।

कष्ट के लिए क्षमा चाहता हूँ।

भवदीय

उमेश शर्मा

अथवा

2. आपके जन्म दिवस पर आपके चाचाजी द्वारा उपहार में भेजी गई पढ़ाई से संबंधित संदर्भ पुस्तकें प्राप्त करने पर उन्हें धन्यवाद देते हुए पत्र लिखिए।

नेहरू छात्रावास
दिल्ली पब्लिक स्कूल
नई दिल्ली
दिनाँक- 30 मार्च 2015
आदरणीय चाचाजी
सादर चरण स्पर्श।

पत्र देर से लिखने के लिए क्षमा चाहता हूँ। आप तो जानते ही हो कि मेरी वार्षिक परीक्षा चल रही थी। जिसके कारण मैं आपको पत्र नहीं लिख पाया। यह पत्र मैंने आपको धन्यवाद देने के लिए लिखा है। चाचाजी आपने उपहारस्वरूप जो संदर्भ पुस्तकें भेजी थी उसके लिए अनेकों धन्यवाद। उन पुस्तकों के कारण मुझे अपनी वार्षिक परीक्षा में काफी मदद मिली। आपने अपने व्यस्ततम जीवनशैली में भी मेरा जन्मदिन न केवल याद रखा बल्कि उपहार स्वरुप अमूल्य भेंट भेजीं। सच में चाचाजी बहुत-बहुत धन्यवाद। चाचाजी को मेरा प्रणाम और नन्हीं स्नेह को ढेर सारा प्यार देना। पत्रोत्तर की प्रतीक्षा में।

आपका पुत्रवत

सौरभ

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 40 से 50 शब्दों में सूचना लेखन करें। [5]

1. आपके विद्यालय में एक सप्ताह के लिए 'निःशुल्क रक्त-जाँच व रक्त-दान शिविर' लगाया जा रहा है। स्थानीय जनता की सूचना के लिए 30 शब्दों में एक सूचना-पत्रक लिखिए।

सूचना

निःशुल्क रक्त-जाँच व रक्त-दान शिविर

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि 2 अक्टूबर, 'गाँधी जयन्ती' के अवसर पर 'भारत विकास संस्थान' के सहयोग से 'गांधी विद्यालय' में 'निःशुल्क रक्त-जाँच व रक्त-दान' शिविर आयोजित किया जा रहा है। शिविर का समय सुबह 6 बजे से सायं 5 बजे तक का रहेगा। आप सब से अनुरोध है कि इस कार्यक्रम में 'रक्त-दान' कर जन-कल्याण में अपना सहयोग प्रदान करें।

अथवा

2. खोए हुए सामान की जानकारी के लिए रिक्शा वालों के लिए सूचना तैयार करें।

सूचना

विराट नगर रिक्शा यूनियन

खोया-पाया विभाग

दिनाँक: 4 मार्च 2015

सभी रिक्शा चालकों को सूचित किया जाता है कि गत शनिवार 3 मार्च को एक काले चमड़े का बैग, विराट नगर रिक्शा स्टैंड में छूट गया था। जिस किसी को भी वह बैग मैले तो साथ दिए नंबर 5000 xxxx xx पर तुरंत संपर्क करें।

सचिव

राकेश त्रिवेदी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 15. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 50-60 शब्दों में संवाद लिखें। [5]

1. बढ़ते हुए महिला अपराध के संदर्भ में दो महिलाओं के मध्य बातचीत लिखिए।

हेमा : अरे! प्रेमा आज बहुत दिनों बाद दिखाईं दीं? कहाँ थीं?

प्रेमा : माताजी के साथ एक दुर्घटना हो गई थी इसलिए इधर आना नहीं हुआ।

हेमा : ओह! क्या हो गया था?

प्रेमा : किसी बदमाश ने राह चलते गले की चेन खींच ली जिसके कारण माताजी के गले पर चोट लग गई।

हेमा : ओह! यह तो बहुत बुरा हुआ। आजकल दिनदहाड़ें ऐसी वारदातें बहुत होने लगी हैं। लगता है जैसे पुलिस और कानून का डर ही नहीं रहा है।

प्रेमा : हाँ। यदि पुलिस-विभाग अपनी जिम्मेदारी सही तरह से निबाहे तो बदमाशों की हिम्मत न हो।

हेमा : सबसे बुरी बात तो यह है कि जहाँ कुछ ऐसा बुरा घटित होता है वहाँ आस-पास मौजूद लोग भी तमाशबीन बन जाते है।

प्रेमा : तुम सही कह रही हो। लोगों को अपने जिम्मेदार नागरिक होने का कर्तव्य निबाहना चाहिए।

हेमा : क्या बदमाश पकड़ा गया?

प्रेमा : नहीं। किसी की हिम्मत नहीं हुई। वह मोटरसाइकिल पर था, झपट्टा मारकर तेजी से भाग गया।

हेमा : ओह! तुम अपनी माताजी का ध्यान रखो। मुझसे कोई भी सहायता चाहो तो बताना। माताजी को मेरा प्रणाम कहना।

प्रेमा : अवश्य। फिर मिलेंगे। नमस्कार!

हेमा : नमस्कार!

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अथवा

2. विद्यार्थी और बस कंडक्टर के बीच हो रहे संवाद लिखिए।

कंडक्टर : टिकिट टिकिट..

विद्यार्थी : 1 अभिनव कॉलेज स्टॉप

कंडक्टर : 10 रु.

विद्यार्थी : मैं तो रोज 8 रु. में जाता हूँ।

कंडक्टर : हाँ! जाते होगे परंतु आज से भाव बढ़ गया।

विद्यार्थी : क्या बात कर रहे हैं? तीन महीने पहले ही तो 6 रु. से बढ़कर 8 रु. हुआ था।

कंडक्टर : अब हम क्या करें? महंगाई बढ़ती है और सरकार दाम बढ़ाती है।

विद्यार्थी : हाँ महंगाई बढ़ती है इसका भुगतान जनता को ही करना पड़ता है।

कंडक्टर : क्या करे?

विद्यार्थी : हमें सरकार से बार-बार टिकट के दाम बढ़ाने को लेकर शिकायत करनी चाहिए।

कंडक्टर : हमारा तो काम है यह, आप बाबू लोग देखों।

विद्यार्थी : ठीक है, हम ही कुछ करेंगे।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र.16. निम्नलिखित विज्ञापनों में से किसी एक विज्ञापन का आलेख 50 शब्दों में तैयार कीजिए। [5]

1. ठंडी के मौसम में खाये जानेवाले च्वनप्राश का विज्ञापन तैयार कीजिए।

सौ-गुण च्वनप्राश

ठंडियों में रखे सेहत का ख्याल

सौ गुण वाले सौ-गुण च्वनप्राश के साथ।

अथवा

2. गहने के विज्ञापन का आलेख तैयार कीजिए।

मानसा गहने

एक ग्राम सोने से बने,

सुंदर किफ़ायती मानसा

गहने

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in